पाठ 6
हरियाली और हम

यह माला का गाँव है। चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है। माला को अपना गाँव बहुत अच्छा लगता है। माला के गाँव में बहुत सारे बाग–बगीचे और पेड़–पौधे हैं।

1. आपने जिन–जिन पेड़–पौधों को देखा या सुना है, उनके नाम लिखिए।

   _____

   _____

2. इनमें से उन पेड़–पौधों के नाम छाँटिए जो आपके घर या आस–पास उगते हैं तथा वे जो जंगल में उगते हैं।

   (i) घर या आस–पास उगनेवाले _____

   _____

   (ii) जंगल में उगनेवाले _____

   _____

3. पेड़–पौधे चाहे घर के आस–पास हों या जंगल में, हमारे लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आपके अनुसार पेड़–पौधों की हमारे लिए क्या उपयोगिता होती है?

   _____

   _____

4. पेड़–पौधों की उपयोगिता के अनुसार नीचे बनी सारणी भरिए।

क्र.सं.	उपयोग	पेड़–पौधों के नाम
1.	इमारती लकड़ी	
2.	साग–सब्ज़ी	
3.	अनाज व दाल	
4.	तेल	
5.	औषधि	
6.	फल	
7.	फूल	

5. हमने समझा कि पेड़–पौधे हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। इनसे हमें अनेक दैनिक जरूरत की चीज़ें प्राप्त होती हैं। अब जरा सोचिए और बताइए–

(i) अगर पेड़–पौधे नहीं होते तो क्या–क्या होता?

_____

_____

(ii) क्या पेड़–पौधों के बिना हम रह सकते हैं?

_____

_____

(iii) क्या पेड़–पौधे हमारे बिना रह सकते हैं? यदि हाँ तो कैसे?

_____

_____

_____

6. अपने घर या विद्यालय के आस–पास मिलनेवाले किसी एक पेड़ के बारे में पाँच वाक्य लिखिये उस पेड़ का चित्र बनाकर उसके विभिन्न हिस्सों के नाम दर्शाइए।

_____

_____

_____

____

____

7. किन्हीं तीन पेड़–पौधों के नाम बताइए–

   (i) जिनमें काँटे होते हैं _________ _________ _________

   (ii) जो खूब छाया देते हैं _________ _________ _________

8. नीचे बने चित्रों में क्या हो रहा है?

____

____

____

9. ज़रूरत से ज़्यादा पेड़ काटने से क्या–क्या हानियाँ होती हैं?

_____

_____

_____

_____

_____

_____

पेड़ों से दोस्ती

बात करीब तीन सौ साल पुरानी है। राजस्थान के खेजड़ली गाँव की एक लड़की थी, अमृता। उसके गाँव में खेजड़ी के बहुत पेड़ थे, जिसकी छाया में अमृता अपने साथियों के साथ खेलती थी। खेजड़ी की फलियों की सब्ज़ी बनती है तथा इसकी छाल दवा के काम आती है।

समय बीतता गया, अमृता बड़ी हो गयी। एक दिन वह अपने पेड़ों के बीच खेल रही थी। तभी उसने देखा कि कुछ अनजान लोग कुल्हाड़ी लेकर चले आ रहे हैं। पता चला कि राजा का महल बन रहा है जिसके लिए लकड़ियों की जरूरत है। वे लोग राजा के आदमी हैं तथा लकड़ियाँ लेने आए हैं। उनलोगों ने लकड़ियाँ काटने का प्रयास किया तो अमृता ने इसका विरोध किया। वह पेड़ से लिपट गई। राजा के आदमियों ने क्रोधित होकर कुल्हाड़ी से अमृता पर वार कर दिया। अमृता के पैर कट गए लेकिन वह पेड़ को अपने हाथों से जकड़ी रही। पेड़ को बचाने के लिए अमृता द्वारा किये गए साहस पूर्ण प्रतिरोध ने गाँव वालों को झकझोर कर रख दिया। देखते–ही–देखते गाँव वाले पेड़ों को कटने से बचाने के लिए एकजुट हो गये। सभी लोग पेड़ों से लिपट गये। राजा के आदमियो ने आवेश में आकर पेड़ से लिपटे हुए गाँव वालों पर अंधाधुंध वार करना शुरू कर दिया। लगभग तीन सौ गाँव वाले मारे गए। पेड़ों के प्रति लोगों का प्यार और बलिदान को देख कर राजा पर गहरा असर हुआ। उसने आदेश दिया कि इस इलाके में कभी कोई पेड़ नहीं काटेगा और न ही कोई शिकार करेगा। यहाँ के लोग आज भी पेड़ों और जानवरों की रक्षा करते हैं। रेगिस्तान में होते हुए भी यह इलाका हरा–भरा है।